पाठ – मेरी माँ

पाठ का सारांश

रामप्रसाद 'बिस्मिल' गज़ब के शायर थे। इनका जन्म उस समय हुआ जब भारत पर अंग्रेज़ों का आधिपत्य था। जेल में रहकर इन्होंने अंग्रेज़ों के अनेक अत्याचार सहे। अपनी आत्मकथा 'मेरी माँ' में उन्होंने निजी जीवन के अनुभवों को साझा किया है।

कांग्रेस और सेवा समिति का वर्णन

रामप्रसाद जो बताते हैं कि लखनऊ कांग्रेस में जाने की उनकी प्रबल इच्छा थी लेकिन दादी जी और पिताजी ने उनका विरोध किया। उनकी माँ उन्हें सदैव सहयोग करती थीं. इसलिए उन्होंने रामप्रसाद जी को लखनऊ जाने के लिए खर्च दे दिया। लेखक शाहजहाँपुर में सेवा समिति में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करते थे। यह कार्य उनके पिताजी और दादी जी को बिल्कुल पसंद न था। इसलिए उन्हें कभी-कभी दंड भी सहन करना पड़ता था लेकिन माँ सदैव उनके जीवन में साहस का संचार करती थीं। माँ ने उनको समझाया कि विवाह शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात् ही करना चाहिए।

दीवानी में मुकदमें का वर्णन

एक समय की बात रामप्रसादजी बताते हैं कि उन्हें वकील ने कहा कि वह पिताजी के हस्ताक्षर वकालतनामें पर कर दें। उन्होंने साफ इन्कार कर दिया कि वह ऐसा नहीं कर सकते क्योंकि यह उनके धर्म के विरुद्ध होगा। रामप्रसाद जी ने अपने जीवन में सदैव सत्य का आचरण किया है।

माँ का वर्णन

वह बताते हैं कि उनकी माँ का जब विवाह हुआ तब वह ग्यारह वर्ष की थीं। उस समय वह ग्रामीण कन्या के समान अशिक्षित थीं। धीरे-धीरे उन्होंने गृहकार्य को समझ लिया। रामप्रसाद जी के जन्म होने के पाँच या सात वर्ष बाद उनकी माँ ने हिन्दी पढ़ना आरम्भ किया था। रामप्रसाद की बहनों को वह ही शिक्षा दिया करती थीं। जिस प्रेम तथा दृढ़ता के साथ उन्होंने रामप्रसाद जी के जीवन में सुधार किया वह अवर्णनीय है।

शब्दार्थ

- **उत्साह** – उमंग, हौसला
- **कार्य** – काम,
- **साहस** – हिम्मत
- **प्रोत्साहन** – उत्साह बढ़ना या हिम्मत बढ़ाना,
- **सत्य** – सच
- **विरूद्ध** – बाधित, अवरुद्ध
- **खूब** – ज्यादा

पाठ से

मेरी समझ से

(क) नीचे दिए गए प्रश्नों का सटीक उत्तर कौन-सा है? उसके सामने तारा (☆) बनाइए।

(1) 'किन्तु यह इच्छा पूर्ण होती नहीं दिखाई देती।' बिस्मिल को अपनी किस इच्छा के पूर्ण न होने की आशंका थी?

- भारत माता के साथ रहने को
- अपनी प्रतिज्ञा पर दृढ़ रहने को
- अपनी माँ की जीवनपर्यंत सेवा करने की
- भोग विलास तथा ऐश्वर्य भोगने की

उत्तर – अपनी माँ की जीवनपर्यंत सेवा करने की (☆)

(2) रामप्रसाद बिस्मिल की माँ का सबसे बड़ा आदेश क्या था?

- देश की सेवा करें
- कभी किसी के प्राण न लेना
- कभी किसी से छल न करना
- सदा सच बोलना

उत्तर – कभी किसी के प्राण न लेना (☆)

(ख) अब अपने मित्रों के साथ तर्कपूर्ण चर्चा कीजिए कि आपने ये ही उत्तर क्यों चुने?

उत्तर – हमने ये उत्तर इसलिए चुने क्योंकि इन बिन्दुओं का वर्णन पाठ के अन्तर्गत हुआ है।

पंक्तियों पर चर्चा

पाठ में से चुनकर कुछ पंक्तियाँ नीचे दी गई हैं। इन्हें पढ़कर इनका अर्थ लिखिए।

(क) "यदि मुझे ऐसी माता न मिलती तो मैं भी अति साधारण मनुष्यों की भाँति संसार-चक्र में फँसकर जीवन-निर्वाह करता।"

उत्तर – बिस्मिल जी ने ऐसा इसलिए कहा है क्योंकि उन्होंने अपनी माता से बहुत अच्छी बातें सीखी है और अगर उनकी माता न होती तो शायद यह भी इस संसार में साधारण मनुष्य को भाँति अपना जीवन व्यतीत कर रहे होते।

(ख) "उनके इस आदेश की पूर्ति करने के लिए मुझे मज़बूरन दो-एक बार अपनी प्रतिज्ञा भंग भी करनी पड़ी थी।"

उत्तर – बिस्मिल जी ने अपनी माँ की आज्ञा का पालन करने के लिए कई बार अपनी प्रतिज्ञा को भी तोड़ा।

मेरी माँ

मिलकर करें मिलान

पाठ में से चुनकर कुछ शब्द नीचे दिए गए हैं। अपने समूह में इन पर चर्चा कीजिए और इन्हें इनके सही अर्थ या संदभों से मिलाइए।

शब्द	अर्थ या संदर्भ
1. देवनागरी	1. सिखों के दसवें और अंतिम गुरु थे। उन्होंने खालसा पंथ की स्थापना को।
2. आर्यसमाज	2. इटली के गुप्त राष्ट्रवादी दल का सेनापति; इटली का मसीहा था जिसने लोगों की एक सूत्र में बाँधा।
3. मेजिनी	3. महर्षि दयानंद द्वारा स्थापित एक संस्था।
4. गोबिंद सिंह	4. भारत की एक भाषा लिपि जिसमें हिन्दी, संस्कृत, मराठी आदि भाषाएँ लिखी जाती है।

उत्तर –

शब्द	अर्थ या संदर्भ
1. देवनागरी	4. भारत की एक भाषा लिपि जिसमें हिन्दी, संस्कृत, मराठी आदि भाषाएँ लिखी जाती है।
2. आर्यसमाज	3. महर्षि दयानंद द्वारा स्थापित एक संस्था।
3. मेजिनी	2. इटली के गुप्त राष्ट्रवादी दल का सेनापति; इटली का मसीहा था जिसने लोगों की एक सूत्र में बाँधा।
4. गोबिंद सिंह	1. सिखों के दसवें और अंतिम गुरु थे। उन्होंने खालसा पंथ की स्थापना को।

सोच-विचार के लिए

पाठ को एक बार फिर से पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

बिस्मिल की माता जी जब ब्याह कर आई तो उनकी आयु काफी कम थी।

1. (क) फिर भी उन्होंने स्वयं को अपने परिवार के अनुकूल कैसे ढाला?

उत्तर – बिस्मिल जी की माँ का विवाह 11 वर्ष की आयु में हुआ। कुछ महीने पश्चात् दादी जी ने अपनी छोटी बहन को बुलाया और माँ को घर के सारे काम काज सिखाए।

(ख) उन्होंने अपनी इच्छाशक्ति के बल पर स्वयं को कैसे शिक्षित किया?

उत्तर – बिस्मिल जी की माँ को पढ़ना-लिखना नहीं आता था इसलिए उन्होंने निश्चय किया कि वह स्वयं शिक्षित होंगी। उन्होंने धीरे-धीरे पढ़ना प्रारम्भ कर दिया।

2. बिस्मिल को साहसी बनाने में उनकी माता जी ने कैसे सहयोग दिया?

उत्तर – बिस्मिल जी की माँ उच्च विचारों वाली स्त्री थीं। उन्होंने सही और गलत की पहचान करना सिखाया और सत्य के साथ डटे रहने के लिए कहा।

3. आज से कई दशक पहले विस्मिल की माँ शिक्षा के महत्त्व को समझती थीं बताइए कैसे?

उत्तर – आज से कई दशक पहले बिस्मिल की माँ शिक्षा के महत्त्व को समझती थीं. इसलिए उन्होंने स्वयं पढ़ने का निश्चय किया तथा अपनी बेटियों को भी पढ़ाया।

4. हम कैसे कह सकते हैं कि बिस्मिल की माँ स्वतंत्र और उदार विचारों वाली थीं?

उत्तर – बिस्मिल जी की माँ सदैव सत्य बोलती थीं और अपने बच्चों को सत्य बोलने के लिए भी प्रेरित करती थीं। उन्होंने बिस्मिल जी के देश की स्वतंत्रता में भाग लेने वाले विचारों का भी समर्थन किया। इन सब बातों से पता चलता है कि बिस्मिल जी को माँ स्वतंत्र और उदार विचारों वाली थीं।

आत्मकथा की रचना

(क) इस पाठ को एक बार फिर से पढ़िए और अपने अपने समूह में मिलकर इस पाठ की ऐसी पंक्तियों की सूची बनाइए जिनसे पता लगे कि लेखक अपने बारे में कह रहा है।

उत्तर – पाठ की महत्वपूर्ण पंक्तियाँ जो लेखक के बारे में हैं-

(i) लखनऊ कांग्रेस में जाने के लिए मेरी बड़ी इच्छा थी।

(ii) मैं बड़े उत्साह के साथ सेवा समिति में सहयोग देता था।

(iii) संकट आने पर भी मैंने अपने संकल्प को न त्यागा।

(iv) इस संसार में मेरी किसी भी भोग विलास तथा ऐश्वर्य की इच्छा नहीं।

शब्द प्रयोग तरह-तरह के

(क) इस पाठ से संक्षेपीकरण के शब्द खोजकर सूची बनाइए।

उत्तर – सेवा-समिति, सखी-सहेली, संसार-चक्र, पालन-पोषण जन्म-जन्मांतर इत्यादि।

पाठ से आगे

आपकी बात

(क) रामप्रसाद 'बिस्मिल' के मित्रों के नाम खोजिए और स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी भागीदारी पर कक्षा में चर्चा कीजिए।

उत्तर – (छात्रों को स्वयं करने को कहें।)

रामप्रसाद 'बिस्मिल' के प्रमुख मित्र और उनकी भागीदारी:

1. **अशफाकउल्ला खान** – बिस्मिल के सबसे करीबी मित्र, काकोरी कांड में साथ थे, बाद में फांसी हुई।
2. **चंद्रशेखर आज़ाद** – क्रांतिकारी नेता, HRA के प्रमुख सदस्य, कई योजनाओं में साथ।
3. **राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी** – काकोरी कांड में सहयोगी, फांसी दी गई।
4. **ठाकुर रोशन सिंह** – क्रांतिकारी गतिविधियों में साथ, फांसी दी गई।

उनकी भागीदारी:

सभी मित्र **हिंदुस्तान रिपब्लिकन ऐसोसिएशन (HRA)** के सदस्य थे।

काकोरी कांड (1925) में मिलकर सरकारी खजाना लूटा ताकि आज़ादी की लड़ाई को आर्थिक मदद मिल सके।

egyanarchive

(ख) नीचे लिखे बिन्दुओं को आधार बनाते हुए अपनी माँ या अपने अभिभावक से बातचीत कीजिए और उनके बारे में गहराई से जानिए कि उनका प्रिय रंग, भोज्य पदार्थ, गीत, बचपन की यादें, प्रिय स्थान आदि कौन-कौन से थे?

उदाहरण के लिए-

- **आपका जन्म कहाँ हुआ था ?**
- **आपकी प्रिय पुस्तक का नाम क्या है?**

उत्तर – (छात्रों को स्वयं करने को कहें।)

- मेरा जन्म आगरा में हुआ था।
- मेरी प्रिय पुस्तक गोदान है। (आदि)

पुस्तकालय या इंटरनेट से

आप पुस्तकालय से रामप्रसाद 'बिस्मिल' की आत्मकथा खोजकर पढ़िए। देशभक्तों से संबंधित अन्य पुस्तकें, जैसे उनके पत्र, आत्मकथा, जीवनी आदि पढ़िए और अपने मित्रों से साझा कीजिए।

उत्तर – (छात्रों को स्वयं करने को कहें।)

पुस्तक: *निज जीवन की एक छटा*

विवरण: यह आत्मकथा बिस्मिल ने 1927 में गोरखपुर जेल में फाँसी की प्रतीक्षा करते हुए लिखी थी। इसमें उनके क्रांतिकारी जीवन, विचारधारा और स्वतंत्रता संग्राम में योगदान का विस्तृत वर्णन है।

उपलब्धता:

- **ऑनलाइन पढ़ने के लिए:** हिंदी समय वेबसाइटHindisamay+1विकिपीडिया+1

अन्य स्वतंत्रता सेनानियों की पुस्तकें

1. **भगत सिंह** – *मैं नास्तिक क्यों हूँ*
   विवरण: इस लेख में भगत सिंह ने अपने नास्तिक होने के कारणों और विचारधारा को स्पष्ट किया है।
2. **सुभाष चंद्र बोस** – *द इंडियन स्ट्रगल*
   विवरण: यह पुस्तक 1920 से 1942 तक के भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का वर्णन करती है।
3. **वीर सावरकर** – *1857 का स्वतंत्रता संग्राम*
   विवरण: इस पुस्तक में 1857 के विद्रोह को स्वतंत्रता संग्राम के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

शब्दों की बात

आप अपनी माँ को क्या कहकर संबोधित करते हैं? अन्य भाषाओं में माँ के लिए प्रयुक्त संबोधन और माँ के लिए शब्द ढूँढिए। क्या उनमें कुछ समानता दिखती है? हाँ, तो क्या ?

उत्तर – (छात्रों को स्वयं करने को कहें।)

मैं अपनी माँ को मम्मी कहकर सम्बोधित करता हूँ। अन्य भाषाओं में माँ के लिए निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग किया जाता है -

हिंदी	–	माँ, अम्मा, माई
अंग्रेज़ी	–	Mother, Mom, Mama

उर्दू	–	अम्मी
तमिल/ तेलुगु	–	अम्मा
बंगाली	–	माँ, माई, माआ
गुजराती	–	માઁ (Mā̃), બા (Ba)
पंजाबी	–	ਮਾਂ (Mā̃)
संस्कृत	–	माता

क्या इनमें समानता है? - हाँ!

- बहुत सी भाषाओं में **"म", "मा", "मम", "माँ", "ममा", "अम्मा"** जैसे उच्चारण मिलते हैं।
- यह एक **ध्वन्यात्मक समानता** है — छोटे बच्चे सबसे पहले "म" और "आ" जैसी ध्वनियाँ निकालते हैं, इसलिए लगभग हर संस्कृति में "माँ" से जुड़े शब्द ऐसे ही बनते हैं।

आज की पहेली

यहाँ दी गई वर्ग पहेली में पाठ से बारह विशेषण दिए गए है, इन्हें छाँटकर पाठ में रेखांकित कीजिए।

उत्तर –

मं	ग	ल	म	यी	ल
प्र	त्ये	क	नो	छो	टी
धा	ग्या	र	ह	खू	ब
र्मि	सा	धा	र	ण	ड़ा
क	दु	ख	भ	री	प
म	हा	न	स्वा	धी	न

उत्तर – मंगलमयी, प्रत्येक, ग्यारह, धार्मिक, महान, स्वाधीन, दुखभरी, साधारण, छोटी, बड़ा, खूब, मनोहर।

खोजबीन के लिए

माँ से संबंधित पाँच रचनाएँ पुस्तकालय से खोजें और अपनी पत्रिका बनाएँ।

उत्तर – (छात्रों को स्वयं करने को कहें।)

माँ से संबंधित पाँच प्रसिद्ध रचनाएँ:

1. **"माँ" – शिवमंगल सिंह 'सुमन'**
   एक भावनात्मक कविता जो माँ की ममता और त्याग को चित्रित करती है।
2. **"माँ की ममता" – हरिवंश राय बच्चन**
   इसमें माँ के बलिदान और उसके अमूल्य प्रेम का वर्णन है।

3. **"माँ" – अज्ञेय (सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन)**
   गहन भावनाओं से भरी गद्य रचना जिसमें माँ की यादों को उकेरा गया है।
4. **"मेरी माँ" – महादेवी वर्मा**
   संस्मरणात्मक शैली में लिखी गई यह रचना माँ की आत्मीयता को छूती है।
5. **"माँ की गोद" – प्रेमचंद**
   यह कहानी माँ के स्नेह और सुरक्षा की भावना को दर्शाती है, विशेषकर गरीब वर्ग की माँओं के संघर्ष को।

📖 **अपनी पत्रिका बनाने के लिए सुझाव:**

- **नाम रखें:** *"माँ – ममता की मूरत"* या *"माँ की महक"*
- **विषयसूची जोड़ें:** ऊपर दी गई रचनाएँ क्रमवार लिखें।
- **प्रस्तावना लिखें:** माँ के महत्व और भावनात्मक जुड़ाव पर 4–5 पंक्तियों में।
- **प्रत्येक रचना के बाद** उसका सारांश या आपकी भावनाएँ जोड़ें।
- **चित्र या कोलाज लगाएँ** – माँ से जुड़ी तस्वीरें, प्रतीकात्मक चित्र (जैसे माँ की गोद, दिया, आँचल आदि)।

(कवर पेज का डिज़ाइन अंतिम पृष्ठ पर है)

egyanarchive

पत्रिका

माँ

ममता की मूरत